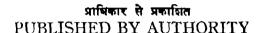


ष्रसाचारल EXTRAORDINARY

भाग I—खण्डा 1 PART I—Section 1



₹0 155] No. 145] नई विल्ली, बुधवार, जुन 27, 1973/ग्रावाह 6, 1895

NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 27, 1973/ASADHA 6, 1895

इस भाग में भित्र पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके । Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th June 1973

No. IV-14015/29/73-NID(E).—The President has learnt with deep regret of the death of Shrimati Devaki Gopidas, Commissioner for Linguistic Minorities in India, in an air crash near Delhi on Thursday, the 31st May, 1973.

In the premature death of Shrimati Devaki Gopidas, the nation has lost an energatic, conscientious and dedicated worker.

Born in 1918 at Kallikatt, Karappazha, Kottayam (Kerala State), Shrimati Gopidas had her education in Trivandrum, Madras and Calcutta Universities. Even as a student she took keen interest in politics. After passing the Bar Council Examination from Trivandrum, she was enrolled as an advocate of the then Travancore High Court in 1947. She became a Member of the Travancore Legislative Assembly in 1958 and later of the Travancore-Cochin and Kerala Legislative Assemblies. She was closely associated with a large number of social organisations and educational institutions. She was elected to the Rajya Sabha in April. 1962 and assumed the office of the Commissioner for Linguistic Minorities in India in August, 1971, in which capacity she served to the end.

The Government mourn the loss of a distinguished and conscientious worker and wish to place on record their appreciation of her exemplary devotion to duty. To the bereaved family, they offer their heartfelt condolences.

ASOKA SEN, Special Secy.

गृष्ठ मंत्रालय

श्रधिसूचना

नई दिल्ली. 27 जून, 1973

संःया IV-14015/29/73-एम०श्रार्ध०डी० (ई).--राष्ट्रपति को, दिल्ली के पास 31 मई, 1973 को हुई विभान दुर्घटना में, भारत के भाषाजात श्रल्प संख्यकों की श्रायुक्त श्रीमती देवकी गोपीदास की मृत्यु के समाचार से श्रत्यन्त दुख हुश्रा है।

श्रीमती देवकी गोपीदास की स्रकाल मृत्यु मे राष्ट्र ने एक कर्मठ, विवेकशील तथा निष्ठावान कार्यकर्ता खो दिया है ।

श्रीमती गोपीदास की जन्म कालीकट, करप्पाजा, कोटायाम (केरल राज्य) में 1918 में हुआ था। श्रापकी शिक्षा विवेन्द्रम, मद्राम श्रीर कलकत्ता विश्वविद्यालयों में हुई। श्रापने अपने विद्यार्थी जीवन से ही राजनीति में गहरी रुचि ली। श्राप विवेन्द्रम से बार काउंसल की परीक्षा पास करने के पश्चात् 1947 में तत्कालीन वावनकोर उच्च न्यायालय में एडबोकेट बनीं। श्राप 1958 में वावनकोर विधान सभा की सदस्या बनी। तथा बाद में वावनकोर-कोचीन तथा केरल विधान सभा श्रों की सदस्या रहीं। श्राप बहुन में सामाजिक संगटनों तथा शिक्षण संस्थाओं से निकट रूप से सम्बद्ध रहीं। श्राप श्रप्रैल, 1962 में राज्य सभा की सदस्या चुनी गई तथा श्रापने श्रगस्त, 1971 में भारत के भाषाजान श्रत्य संख्यकों की श्रायुक्त के पद का कार्य-भार सम्भाला जिस पद पर श्राप श्रन्त समय तक रहीं।

भारत सरकार श्राप जैमी प्रख्यात एवं विवकशील कार्यकर्त्ता के श्रवसान पर शोक प्रकट करती है तथा श्रापकी श्रनुकरणीय कर्तव्य निष्ठा के प्रति श्रपनी मराहना व्यक्त करती है। शोक संतप्त परिवार के प्रति भारत सरकार हार्दिक समवेदना प्रकट करती है।

ग्रशोक सेन, विशेष सचिव।